RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष 22 | अंक 08 | मुंबई, 05 जून, 2023 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त होने के बाद भी रुपए लेने की लत नही छुटी

पुलिस पिता ने अपने ही बच्चो को सिखाया लोगो से रिश्वत लेने का तरीका

महाराष्ट्र क्राइम्स संवाददाता

मुंबई, कहते है कि बच्चो को उनके अपने घर में माता पिता से ही संस्कार मिलता है । इसी से समाज में उनकी अच्छे होने की पहचान भी होती है । एक पिता जिनका नाम गोपाल गोवेकर मुंबई पुलिस में पूरी सेवा करने के बाद पुलिस विभाग से सेवा निवृत्त होते है। यह बात सच है कि कुछ आदत एसी लग जाती है जो मनुष्य से कभी नही छूटती है। गोपाल गोवेकर जीवन भर पुलिस विभाग में ही कार्यरत रहे और उन्हें रुपए लेने की लत जो लग चुकी थी, वह उनसे छूट नही पाई सेवानिवृत्ति के बाद गोपाल गोवेकर ने उल्हासनगर से प्रकाशित होने वाले एक समाचार के संपादक से अपना पहचान पत्र (प्रेस का आई कार्ड) बनवाया और उसी पहचान पत्र के माध्यम से उल्हासनगर परिसर में चलने वाले अवैध धंधो से हर महीने में अच्छी खाशी रुपये की वसूली करते है ।

जानकारों के अनुसार गोपाल गोवेकर का गणेश नामक एक बड़ा लड़का है। गणेश ने अच्छी खाशी पढाई की है। गणेश को कोई सरकारी नौकरी नही लगी। गणेश के पिता गोपाल गोवेकर ने भी सरकारी नौकरी लगाने की बहुत कोशिश की लेकिन गणेश को कोई सरकारी नौकरी ना मिलने पर पिता गोपाल गोवेकर ने बेटे गणेश को अपना तौर तरीका सिखाया। गणेश पिता के बताये हुये रास्ते पर चलने की शुरूवात किया ही था की बीच में

विवेक पानसरे
पुलिस उपायुक्त

एक गतिरोधक आ गया ।

महाराष्ट्र राज्य से श्री शिव प्रतिष्ठान युवा हिंदुस्तान नामक एक संस्था सांगली जिले से पंजीकरण किया है। इसी श्री शिव प्रतिष्ठान युवा हिंदुस्तान संस्था का एक पहचान पत्र गणेश ने अपने और अपने तीन साथियों १) अक्षय यशवंत सोनावणे २) ऋतिक केदार ३) साहिल पाटणकर का साथ में पहचान पत्र बनवाया और मुंबई, नवी मुंबई और थाने जिले में कई जगहों पर श्री शिव प्रतिष्ठान युवा हिंदुस्तान के शीर्षक (लेटर हेड) पर कानूनी और गैरकानूनी तरीके से चलने वाले सभी ब्यूटी पार्लरो को खुद अपने से लोगो को यह सुचना पत्र देकर अवगत कराया कि आप के यहां गैर कानूनी तरीके से ब्यूटी पार्लरो के आड़ में देह व्यापार का धंधा चलाया जा रहा है। इसे जल्द से जल्द बंद किया जाये, नही तो हम अपनी संस्था की ओर से एक अभियान चलायेगे और सभी ब्यूटी पार्लरो पर कानूनी कारवाई करेंगे ।

इस तरह से पत्र के माध्यम से चेतावनी देने पर वाशी परिसर की एक ब्यूटी पार्लर संचालिका

गणेश गोवेकर

दीपिका (बदला हुआ नाम) नामक महिला ने गणेश द्वारा पत्र में दिये गये मोबाईल क्र. पर संपर्क किया। महिला के संपर्क किये जाने पर गणेश ने उस महिला को यह कहकर मिलने की ईच्छा जताई की उनकी आवाज बहुत अच्छी है। दिनांक ०६/०५/२०२३ के रोज गणेश अपने तीनो साथियों के साथ मारुती सुजुकी कंपनी की आर्टिका क्र. एम. एच. ०५ एफ बी ५९४७

अक्षय यशवंत सोनावणे

में आये और उस महिला को वाशी रेल्वे स्टेशन पर मिलने के लिये बुलाया। जैसे ही महिला गणेश के बताये हुये पते पर पहुंची, गणेश ने उस महिला को गाडी में बैठने को कहा। महिला ने देखा की गाड़ी में पहले से ही चार लोग बैठे है। इससे महिला ने गाड़ी में बैठने को लेकर मना किया। इससे गणेश ने पीछे बैठे साहिल और आगे बैठे ऋतिक को गाड़ी से उतारा। फिर उस महिला

फरार आरोपी ऋतिक केदार

को आगे सिट पर बैठने को कहा। महिला गाड़ी के आगे वाली सिट पर बैठ जाती है। गणेश और पीछे बैठे अक्षय यशवंत सोनावणे पहले तो कुछ देर तक इन दोनों ने महिला से इधर उधर की बाते की, फिर कुछ देर के बाद महिला से उसके सुन्दर होने की बात करने लगे। धीरे धीरे फिर गणेश और अक्षय महिला के शरीर से छेड़खानी करने लगे। इसी बिच में रुपयों की मांग करने लगे।

महिला ने इन दोनों को बहुत समझाया कि मेरे यहां ऐसा कोई गलत काम नहीं होता है। आप लोग कभी भी आकर देख सकते हो लेकिन गणेश और अक्षय ने उस महिला की बात नही मानी और इन दोनों ने हर महीने १० हजार रुपए और सप्ताह में एक बार हवस पूरी करने की मांग रखी।

शशिकांत चंदरकार
वारिष्ठ पुलिस निरीक्षक

यह कहकर उस दिन तो चले गये, दूसरे दिन गणेश ने फोन करके उस महिला से कहा कि हमें रुपए चाहिये और अभी हमारे गुगल पे पर रुपये भेज दो। महिला ने तत्काल गणेश और अक्षय के बताये हुये नम्बर पर ५ हजार रुपए भेज दिया और फिर तत्काल महिला ने नवी मुंबई के वाशी परिमंडल क्र १ के पुलिस उपायुक्त से लिखित रूप में अपनी शिकायत की। पुलिस उपायुक्त के आदेश पर वाशी पुलिस थाने के वारिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने मामले को बड़ी गंभीरता से लेते हुये ०१५३ /२०२३ भा.द.वी ३८९, ३५४, ३५४ ए ३४ के तहद मामला दर्ज किया। दिनांक ७/५/२०२३ की रात को गणेश और अक्षय को कल्याण से गिरफ्तार किया। साहिल और ऋतिक अभी भी फरार है। माना जाता है की वाशी पुलिस इन्हें भी जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लेगी।

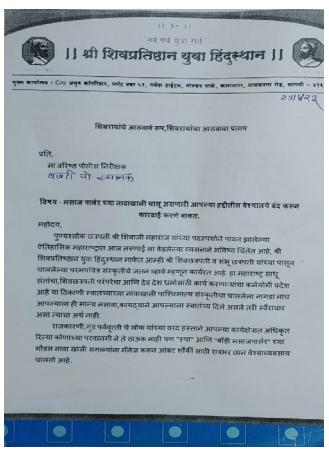

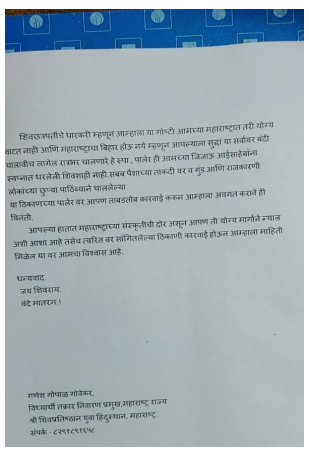

कोटा में NEET की तैयारी कर रही नाबालिग छात्रा प्रेग्नेंट

कोटा, शहर में नीट की तैयारी कर रही नाबालिग कोचिंग छात्रा के प्रेग्नेंट होने का मामला सामने आया है। छात्रा ने जेके लोन अस्पताल में बच्ची को जन्म दिया है। चिकित्सको के मुताबिक फिलहाल दोनों जच्चा-बच्चा स्वस्थ हैं। वहीं अस्पताल प्रशासन की सूचना पर बाल कल्याण समिति की टीम भी अस्पताल पहुंची और डॉक्टरों से मामले की जानकारी ली है। बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष कनीज फातिमा ने बताया कि पहले परिजन बच्चे को रखना चाहते थे। अब उन्होंने बच्चे को बाल कल्याण समिति को सौपने का फैसला लिया। फिलहाल इस मामले में परिजनों की ओर से पुलिस में अबतक शिकायत नहीं दी गई है।

दो महीने पहले ही कोटा आई थी छात्रा

जानकारी के अनुसार, नाबालिग छात्रा की उम्र 16 साल है। वो एमपी की रहने वाली है और 2 महीने पहले ही नीट की तैयारी करने कोटा आई थी। फिलहाल छात्रा कुन्हाड़ी इलाके में रह रही है। ऐसे में छात्रा के साथ उसके परिजन भी कोटा में मौजूद थे। छात्रा को पेट दर्द की शिकायत पर परिजन उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे। जांच में उसके साढ़े 8 माह के गर्भ होने की जानकारी सामने आई। जिसके बाद जेके लोन हॉस्पिटल में उसे भर्ती किया गया। वहीं, छात्रा को लेबर रूम में शिफ्ट किया गया। जहां उसने बेबी को जन्म दिया। इस मामले में नाबालिग के परिजन कुछ भी बोलने को तैयार नहीं। नाबालिग के गर्भवती होने की सूचना पर बाल कल्याण समिति की टीम काउंसलर को लेकर हॉस्पिटल पहुंची। लेकिन परिजनों ने जानकारी देने से इनकार कर दिया।

सीडब्ल्यूसी संभालेगी बच्चे की जिम्मेदारी

जेके लोन हॉस्पिटल में गायनिक एचओडी डॉक्टर भारती सक्सेना ने बताया कि छात्रा को सोमवार को अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां पर उसकी नॉर्मल डिलीवरी हुई। वहीं पहले परिजनों ने नवजात को रखने की इच्छा जताई थी, लेकिन

अस्पताल में बच्ची को दिया जन्म

आज जब आज डॉक्टर्स की टीम ने राउंड किया तो परिजनों ने बेबी को रखने से इनकार कर दिया। जिस पर बाल कल्याण समिति को सूचना दी है। वहीं बाल कल्याण समिति ने कागजी कार्रवाई के बाद बच्चे को अपनी संरक्षण में ले लिया है।

संपादकीय

मुकदमों का बोझ

यह तथ्य सामने आने पर हैरानी नहीं कि देश भर के न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या साढ़े चार करोड़ पहुंच गई है। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि लंबित मुकदमों के बोझ को कम करने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए हैं। इसका ही परिणाम है कि एक लाख से अधिक मामले ऐसे हैं, जो तीन दशक से भी अधिक समय से लंबित हैं। इसका अर्थ है कि आवश्यकता से अधिक लंबे समय से लंबित मुकदमों को निपटाने की भी कोई पहल नहीं की जा रही है। ऐसे कुछ मामले सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित हैं। यह ठीक है कि सुप्रीम कोर्ट लंबे समय से लंबित मामलों को निपटाने की पहल कर रहा है, लेकिन आखिर ऐसी कोई पहल उच्च न्यायालयों की ओर से क्यों नहीं की जा रही है?

क्या यह उचित नहीं होगा कि उच्च न्यायालय लंबित मामलों का निपटारा कर निचली अदालतों के समक्ष एक उदाहरण प्रस्तुत करें? बड़ी संख्या में मामलों का लंबित रहना 'न्याय में देरी अन्याय है' वाली उक्ति को ही चरितार्थ करता है। यह एक विडंबना ही है कि जब हर क्षेत्र में सुधार हो रहे हैं तब न्यायिक क्षेत्र में सुधार अटके से पड़े हैं। इसकी कीमत आम लोगों को ही नहीं, विकास योजनाओं और कार्यक्रमों को भी चुकानी पड़ रही है। हमारे नीति-नियंता इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकते कि देश की प्रगति को गति देने के लिए समय पर न्याय देना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि लंबित मुकदमों को लेकर जब-तब चिंता जताई जाती रहती है। पिछले कुछ समय में तो राष्ट्रपति ने भी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों का ध्यान मुकदमों के लंबित रहने से होने वाले दुष्परिणामों की ओर आकर्षित किया है, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। यह न केवल निराशाजनक, बल्कि चिंताजनक है कि 11वें वित्त आयोग की ओर लंबित मुकदमों के निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों को अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने के बाद भी ऐसे मुकदमों के निपटारे की गति धीमी है। इसका मतलब है कि न्यायिक प्रक्रिया में ही कहीं कोई खामी है। इसका एक प्रमाण है तारीख पर तारीख का सिलसिला।

न्याय समय पर न मिलने के कारण लोगों का अदालतों पर भरोसा डिग रहा है। वे मजबूरी में ही अदालतों की ओर रुख करते हैं। यह सही है कि अदालतों और न्यायाधीशों की कमी भी मुकदमों के लंबित रहने का एक कारण है, लेकिन यदि न्यायिक प्रक्रिया की खामियां दूर नहीं होतीं और मामलों को एक तय समय में निपटाने की कोई कारगर व्यवस्था नहीं बनती तो फिर न्यायालयों को संसाधन संपन्न बनाए जाने से भी बात बनने वाली नहीं है। समय आ गया है कि कार्यपालिका और न्यायपालिका के लोग यह समझें कि लंबित मुकदमों के बोझ को लेकर केवल चिंता जताए जाने से कुछ होने वाला नहीं है।

पैरा कमांडो, इस फोर्स को जॉइन करने के लिए क्या चाहिए योग्यता?

ये रही हर एक डिटेल

पैरा कमांडो के बारे में हम आए दिन न्यूज पेपर या टीवी चैनल्स पर देखते या सुनते हैं. पैरा कमांडो फोर्स के दुश्मनों के खिलाफ स्पेशल ऑपरेशन को अंजाम देती हैं और उनको मार गिराती हैं. पैरा कमांडो हमारे देश की रक्षा के लिए जी जान लगा देते हैं. बहुत से लोगों को नहीं पता होता है कि पैरा कमांडो क्या होते हैं और कैसे इनकी भर्ती होती है. अगर आप भी पैरा कमांडो बनना चाहते हैं तो यहां जानिए कैसे आप अपने सपने को हकीकत में बदल सकते हैं. यह भारतीय सेना की पैराशूट रेजीमेंट की एक स्पेशल फोर्स की यूनिट है. पैराशूट रेजीमेंट की शुरूआत 1 जुलाई 1966 में हुई थी. आप पैरा कमांडो दो तरीकों से बन सकते हैं पहला है डायरेक्ट रिक्रूटमेंट और दूसरा इंडियन आर्मी के जरिए. पैरा कमांडो ऑफिसर बनने के लिए आपको टफ ट्रेनिंग में पास होना जरूरी है.

यह सबसे कठिन ट्रेनिंग मानी जाती हैं, जिसमें पास होना बहुत ही ज्यादा मुश्किल होता हैं. यह प्रशिक्षण कितना तकलीफभरा होता इस बात का अंदाजा आप इस से लगा सकते है कि इसमें 10 परसेंट से भी कम कैंडिडेट सिलेक्ट होते हैं.

हालांकि, इस ट्रेनिंग के बाद देश को खरा सोना यानी कि मजबूत सोल्जर मिलता है.

पैरा कमांडो आतंकवाद विरोधी अभियान, देश के दुश्मनों को मार गिराना, गैर-परंपरागत हमले, विदेश में आंतरिक सुरक्षा, देश के खिलाफ होने वाले विद्रोह को कुचलने आदि ऑपरेशन्स को अंजाम देते हैं. पैरा कमांडो हैंड टू हैंड कॉम्बैट के अलावा कई सारी कॉम्बैट टैक्टिक्स में माहिर होते हैं, जिसके कारण ही पैरा कमांडो को स्पेशल कमांडो ऑफिसर या सोल्जर कहा जाता है. आप 10वीं और 12वीं पास करने के बाद भी पैरा कमांडो बनने के लिए अप्लाई कर सकते हैं. इसके लिए आपको शारीरिक और मानसिक तौर पर बहुत ज्यादा मजबूत होना जरूरी है. पैरा कमांडो बनने के लिए आपकी एज लिमिट न्यूनतम 18 और अधिकतम 23 साल होनी चाहिए, इसके अलावा आपकी हाइट कम से कम हाइट 157 उट होनी चाहिए, तभी आप इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं.

पैरा कमांडो के तौर पर आपकी नियुक्ति हो जाने के बाद आपकी सैलरी करीब 75,000 से लेकर 1,65,000 रुपये प्रति माह तक हो सकती है. यह सैलरी आपकी पोस्ट पर भी डिपेंड करती है. इतना ही नहीं वेतन के अलावा अन्य सुविधाएं भी अलग से मिलती हैं.

बैंक अकाउंट में सेंध लगाने का नया तरीका, अब तो ओटीपी भी नहीं मांग रहे ठग, छोटी सी गलती और खाता खाली

ठगी के मामलों में काफी तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है. आरबीआई व अन्य संबंधित संस्थाओं के प्रयास से लोगों को सतर्क जरूर किया जा रहा है लेकिन अब भी लोगों के साथ धोखाधड़ी रुकने का नाम नहीं ले रही है. इसका एक बड़ा कारण है ठगों का नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बनाना. पहले ओटीपी मांगकर बैंक अकाउंट खाली किया जाता था लेकिन जब लोग इसे लेकर सतर्क हुए तो बगैर ओटीपी के ही खाता खाली किया जा रहा है.

नए तरीके में बैंक से लिंक आपके यूपीआई खाते को टारगेट किया जा रहा है. कई लोगों के साथ हो चुके ऐसे वाकये को आपके लिए भी जानना जरूरी है ताकि आप इसका शिकार न हो. अगर कोई भी अनजान व्यक्ति आपसे फोन पर इस तरह का काम करने को कहे तो तुरंत फोन काट दें और नंबर को रिपोर्ट कर दें. इससे आप खुद को तो सुरक्षित तो करेंगे ही और भी लोगों की मदद कर पाएंगे.

कैसे हो रही ठगी?

इसे एक उदाहरण से समझते हैं. यह सत्य घटना पर आधारित है बस नाम बदल दिया गया है. राहुल नाम के एक 25 वर्षीय युवक ने YZ शॉपिंग वेबसाइट से अपने लिए 30 हजार रुपये का फोन ऑर्डर किया. फोन को 17 मई को डिलीवर होना था लेकिन राहुल के पास 16 मई को एक कॉल आया और कॉल करने वाले शख्स ने खुद को YZ कंपनी का कस्टमर केयर बताया. इसके बाद उसने राहुल को उसके सामान की डिटेल वगैरह बताई और कहा कि उसे एडेरस कंफर्म करना है.

एडरेस कंफर्म करने के लिए लिंक

हालांकि, राहुल पहले ही अपना एडरेस शॉपिंग वेबसाइट पर डाल चुका था. इसलिए अब उस शक और पुख्ता हो गया कि यह किसी ठग का ही कॉल है. राहुल ने बात जारी रखी और ठग ने कहा कि आपको एक लिंक भेजा जा रहा है उस पर क्लिक करके एडरेस कंफर्म करना है. जब राहुल ने उस पर क्लिक किया तो एक यूपीआई पेमेंट गेटवे खुल गया. इसमें उसके बैंक की डिटेल मांगी गई थी. राहुल ने जब इसके बारे में ठग से पूछा तो उसने कहा कि एडरेस कंफर्म

करने के लिए राहुल को पहले 5 रुपये की पेमेंट करनी होगी. जाहिर तौर पर अगर बैंक डिटेल डाल दी जाती तो बैंक खाता खाली हो जाता.

इसके बाद राहुल ने उससे कहा कि वह समझ चुका है कि आप कोई कस्टमर केयर नहीं बल्कि एक ठग हैं. साथ ही राहुल ने उसे ये भी बताया कि उसने इस घटना की एक वीडियो बना ली है. ये सुनते ही ठग गुस्सा हो गया और वीडियो डिलीट करने की धमकी दी. इसके बाद फोन काट दिया.

नांदेड़ में अंबेडकर जयंती मनाने पर दलित युवक की हत्या, सात गिरफ्तार

नांदेड़, महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में डॉक्टर बीआर अंबेडकर की जयंती मनाने पर 24 वर्षीय दलित युवक की कथित तौर पर हत्या करने के मामले सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। नांदेड़ पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि घटना दो दिन पहले बोंदर हवेली गांव में हुई थी। मृतक की पहचान अक्षय भालेराव के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि भालेराव गुरुवार शाम को गुजर रहे थे। आरोपी उच्च जाति से ताल्लुकात रखते हैं और एक शादी का जश्न मना रहे थे। कुछ लोगों के हाथों में तलवारें थी।

अधिकारी ने कहा कि भालेराव और उनके भाई आकाश को देखकर उनमें से एक ने कहा, इन लोगों को गांव में भीम जयंती (अंबेडकर की जयंती जो 14 अप्रैल को पड़ती है) मनाने के लिए दंडित करना चाहिए। अधिकारी ने कहा कि इसपर दोनों पक्षों में तीखी नोकझोंक हुई। इसी बीच अक्षय भालेराव पर हमला कर दिया गया। मारपीट के दौरान उनकी चाकू मारकर हत्या कर दी गई। साथ ही उनके भाई को पीटा गया।

घायल अक्षय भालेराव को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया लेकिन भर्ती करने से पहले ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर

दिया। अधिकारी ने कहा कि भारतीय दंड संहिता के तहत हत्या, हत्या के प्रयास, दंगा और हमले के साथ-साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

50,000 रिश्वत लेती नगर निगम की महिला अधिकारी गिरफ्तार

महाराष्ट्र में एक संस्थान के पूर्व प्रधानाध्यापक से 50,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में नासिक नगर निगम शिक्षा विभाग में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तैनात सुनीता धनगर और जूनियर क्लर्क नितिन जोशी को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गिरफ्तार किया। धनगर के घर की तलाशी में 85 लाख रुपये नकद, 320 ग्राम सोना और संपत्ति के दस्तावेज मिले।

विरार- डहाणु कॉरिडोर फास्ट ट्रैक पर, 2025 तक पूरी होगी परियोजना

- 60 किलोमीटर लंबा मार्ग, बिछाई जा रही तीसरी और चौथी लाइन
- अनुमानित लागत... एमयूटीपी - 3 की इस योजना की लागत 3,578

मुंबई : आर्थिक राजधानी मुंबई और पालघर के बीच आवागमन सुगम बनाने से जूड़ी बहुप्रतीक्षित रेल परियोजनाओं में से एक विरार-डहाणु कॉरिडोर प्रोजेक्ट पटरी पर आता दिख रहा है। भूमि अधिग्रहण का काम पूरा होने के बाद परियोजना का काम तेजी से चल रहा है। 60 किमी मार्ग पर तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाई जानी है। इस परियोजना के अंतर्गत वैतरणा नही पर एक और पुल तैयार किया जा रहा है। इस मार्ग पर दो और रेल लाइन तैयार होने पर मेल- एक्सप्रेस और लोकल ट्रेनों के परिचालन के लिए स्वतंत्र कॉरिडोर हो जाएगा। सब कुछ ठीक रहा तो दिसंबर, 2025 के बाद इस कॉरिडोर पर लोकल सेवाओं के संख्या बढ़ जाएगी। विरार से लेकर डहाणु तक

फैले क्षेत्र के लाखों लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

हाईकोर्ट में याचिका दायर

इस परियोजना के अंतर्गत 24 हेक्टेयर में अलग-अलग क्षेत्रों में 21 हजार मेंग्रोव्ज काटे जाएंगे। इसके लिए मुंबई रेल विकास निगम ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है । योजना के अनुसार, यदि एमआरवीसी को हाईकोर्ट से मेग्रोव्ज काटने की अनुमति मिल जाती है, तो इस प्रोजेक्ट का काम जमीनी स्तर पर और भी तेजी से शुरु हो जाएगा।

बनेंगे 8 नए स्टेशन

यहां 8 नए स्टेशन बनेंगे। कुछ स्टेशनों की इमारतें बदलेंगी, जिसमें विरार, वैतरणा, सफाले, केलवे रोड़, पालघर, उमरोली, बोईसर, वानगांव और डहाणु शामिल है।

निमार्ण प्रगति पर

अगस्त,२०२२ में विरार और वैतरणा स्टेशन बिल्डिंग, सर्विस बिल्डिंग, स्टाफ क्वार्टर और प्लेटफॉम का ठेका दिया। दूसरे चरण में स्टेशन बिल्डिंग, सर्विस बिल्डिंग, स्टाफ क्वार्टर, बनेगा।

643 करोड़ रुपए खर्च

मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (एमयूटीपी) 3 की इस योजना पर 3,578 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे है। अब तक इस प्रोजेक्ट के लिए 643 करोड़ रुपए खर्च हो चुके है।

वैतरणा नदी पर रेलवे पुल

600 मीटर लंबे पुल के लिए पिलर्स बनाने का काम शुरु, 2 बड़े पुल बनाए जाएंगे, मार्ग में 16 मेजर ब्रिज 67 माइनर ब्रिज बन रहे है। 3.78 वन्य जमीन के लिए मई, 2022 में तैयारियां कर ली गई हैं। परियोजना का कार्य योजना के योजना के अनुसार और निर्धारित समय के साथ आगे बढ़ रहा है। हम लगातार इसकी निगरानी कर रहे है।- **सुनील उदासी, सीपीआरओ, एमआरवीसीएल**

बीजेपी नेता पंकजा मुंडे के बागी तेवर पर अब संजय राउत ने दी प्रतिक्रिया, ...तभी उनका वजूद बचेगा

मुंबई : बीजेपी नेता पंकजा मुंडे ने एक बार फिर खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की है. उन्होंने अपने एक बयान में कहा, मैं किसी चीज से नहीं डरती. निडरता हमारे खून में है. चिंता न करें. कुछ नहीं मिला तो गन्ना काटने जाउंगी. मुझे किसी चीज का स्वार्थ, आशा और इच्छा नहीं है, 'मैं बीजेपी से हूं लेकिन बीजेपी मेरी पार्टी नहीं'.

पंकजा मुंडे के बयान से राजनितिक गलियारों में शोर

पंकजा मुंडे ने एक कार्यक्रम में दिए गए इस बयान से राजनितिक हलकों में तरह-तरह की चचाएँ शुरू हो गई है. राष्ट्रीय समाज पार्टी की ओर से आज दिल्ली में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया. पंकजा मुंडे ने ये बयान इसी कार्यक्रम में दिया. पंकजा मुंडे ने चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा, 'आप ताई ची पार्टी ताई ची पार्टी कहते हैं. मेरी कौन सी पार्टी है? मैं बीजेपी से संबंध रखती हूं, बीजेपी थोड़ी मेरी है.

बीजेपी बहुत बड़ी पार्टी है. मैं बीजेपी में शामिल हो सकती हूं. पार्टी मेरी नहीं हो सकती. मैं भयभीत नहीं हूं. इसमें डरने की कोई बात नहीं है. निडरता हमारे खून में है. चिंता न करें. कुछ नहीं मिला तो गन्ना काटने जाउंगी. हमारे पास खोने के लिए कुछ नहीं है. उन्होंने यह भी कहा कि हमें जीवन में किसी चीज के लिए कोई रुचि, अपेक्षा और इच्छा नहीं है. इस मौके पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद थे. पंकजा मुंडे के बयान पर ठाकरे गुट के नेता और सांसद संजय राउत ने भी प्रतिक्रिया दी है. पंकजा मुंडे ने अपना दर्द बयां कर दिया है. जिन्होंने शून्य से बीजेपी बनाई, उनका वजूद क्या? संजय राउत ने कहा है कि राजनीतिक घराने के लोग बिना परिणाम सोचे फैसले लेंगे तभी उनका वजूद बचेगा.'

पुसद में ४ लाख ८२ हजार रुपए के नकली नोट पकडे, तीन लोगों को लिया हिरासत में

ओमप्रकाश पांडेय

पुसद - यहां से पास ही वाशिम रोड पर स्थित मारवाडी फाटा में गुप्त

सूचना के आधार पर जब कार्रवाई करते हुए स्थानीय अपराध शाखा पुलिस दल ने एक स्कूटर चालक के बेग की तलाशी ली. तो उसमें से ५०० रूपए की नकली नोटे बरामद हुई. जिनका दर्शनी मूल्या ४ लाख ८२ हजार रुपए है, इस मामले में पुलिस ने विशाल नागोराव पवार सहित विनोद गंगाराव राठोड व बालू बाबुराव कांबले ऐसे तीन आरोपियों को अपने हिरासत में लिया है. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर वाशिम-पुसद मार्ग पर नाकाबंदी करते हुए वाशिम से पुसद की ओर आ रहे विशाल पवार की दुपष्टिया को रूकवाकर नकली नोट बरामद की थी. साथ ही उसे अपने कब्जे में लेकर उसके घर पर भी छापा मारा था और पुलिस ने ५०० रुपए की कुल १६४ नकली नोट बरामद की. साथ ही विशाल पवार की निशानदेही पर अन्य दो आरोपियों को भी अपनी हिरासत में लिया.

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 जून, 2023

एकनाथ शिंदे के इस फैसले से बेचैन हुए NCP चीफ शरद पवार, सामने आई 35 मिनट लंबी मुलाकात की असल वजह

मुंबई: महाराष्ट्र की सियासत में जब से शिंदे- फडणवीस सरकार का उदय हुआ है तब से लेकर अबतक सत्ता पक्ष, महाविकास अघाड़ी को झटके पर झटके दे रहा है। एक बार फिर से शिंदे फडणवीस सरकार ने एमवीए को तगड़ा झटका दिया है। आगामी लोकसभा चुनाव के पहले यह झटका काफी अहम माना जा रहा है। दरअसल महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार ने तत्कालीन उद्धव ठाकरे सरकार के एक फैसले को पलट दिया है। नए आदेश के मुताबिक अब सहकारी समितियों में केवल सक्रिय सदस्यों को मतदान करने का अधिकार होगा। शिंदे-फडणवीस सरकार के इस फैसले ने एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार सहित कांग्रेस और उद्धव ठाकरे गुट की मुसीबत बढ़ा दी है। कुछ दिन पहले 1 जून को अचानक शरद पवार सीएम आवास यानी वर्षा पर जाकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिले थे। महाराष्ट्र में फिलहाल इस बात की चर्चा है कि वह मुलाकात इसी फैसले की वजह से हुई थी।

सरकार ने सहकारिता विभाग के नियमों में फेरबदल करने से महाराष्ट्र की राजनीति

में नया ट्विस्ट आ गया है। राज्य की शिंदे-फडणवीस सरकार चाहती है कि सहकारी चीनी कारखानों, डेयरियों और कृषि ऋण समितियों में अब वही सदस्य वोट करें। जो बीते पांच सालों में सक्रिय रहे हों। सरकार के इस फैसले से बाजार समिति में बने हुए निष्क्रिय सदस्य का वोट करने का अधिकार छिन गया है।

...तो इसलिए रखे जाते थे वोटर

फिलहाल महाराष्ट्र सरकार ने को-ऑपरेटिव एक्ट 1960 में जो बदलाव किया है। उससे हाउसिंग सोसाइटी, कमर्शियल प्रिमाइसेस को दूर रखा है। इस क्षेत्र के जानकारों की माने तो कई सहकारिता संस्थाओं में वोटरों के नाम चुनावी फायदा उठाने के लिए रखे जाते थे। जिनका सहकारिता क्षेत्र से रोजमर्रा का कोई संबंध नहीं होता था। महाराष्ट्र में माना जाता है कि सहकारिता क्षेत्र पर शरद पवार की मजबूत पकड़ है। ऐसे में शरद पवार की पकड़ को कमजोर करने के लिए चला गया यह दांव एनसीपी के लिए मुसीबत का सबब बन सकता है। आंकड़ों पर यकीन करें तो महाराष्ट्र के सहकारिता क्षेत्र में कुल 5 करोड़ 70 लाख के करीब मेंबर हैं। ग्रामीण महाराष्ट्र में सहकारिता क्षेत्र के सदस्यों का लोकसभा और विधानसभा चुनाव में रोल काफी अहम होता है।

कर्मचारियों पर काम के दबाव के चलते दुर्घटना की संभावना को नकारा नहीं जा सकता !

मुंबई, ओडिशा के बालासोर में भीषण ट्रेन दुर्घटना ने हर किसी को द्रवित कर दिया है। इस हृदय विदारक घटना के बाद से रेलवे यात्रियों की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण सवाल उठने लगे हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के लोगों का दिल भी इस घटना से दहल गया है। मुंबई से देशभर के अलग अलग हिस्सों में ट्रेन जाती है और अन्य राज्यों से ट्रेनें यहां आती हैं। इसके अलावा मुंबई की लाइफलाइन कही जानेवाली लोकल ट्रेन भी रोजाना तीन हजार से अधिक सेवाएं देती हैं। ऐसे में आधुनिक तकनीकी और डिवाइस के अभाव में यहां भी दुर्घटना होने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता है। रेल तकनीकी से जुड़े जानकारों की मानें तो यहां लोकल ट्रेनों में संभवतः आधुनिक तकनीकी का उपयोग हो रहा है। लेकिन मुंबई को आधुनिक सेंसर सिग्नलिंग सिस्टम की जरूरत है। इसके साथ ही एक्सप्रेस ट्रेनों में ऐसी कई गाड़ियां

हैं, जिनमें ऐसी अत्याधुनिक तकनीकी का अभाव है। एंटी कोलेजन सिस्टम, सेंसर सिग्नलिंग सिस्टम, ट्रैक मेंटेनेंस के अभाव के साथ कर्मचारियों पर काम के दबाव के चलते यहां भी दुर्घटना की संभावना को नकारा नहीं जा सकता है।

मुंबई में सेंट्रल रेलवे और पश्चिम रेलवे मंडल से रोजाना लगभग ५०० एक्सप्रेस गाड़ियों की आवाजाही और तीन हजार से अधिक लोकल ट्रेन छोड़ी जाती हैं।

दुर्घटना से पहले सचेत करनेवाला डिवाइस एंटी कोलेजन सिस्टम सभी गाड़ियों में नहीं लगा होता है। मुंबई से जानेवाली कुछ ट्रेनों में लगा है, लेकिन अन्य राज्यों से आनेवाली ट्रेनों में तो न के बराबर यह सिस्टम है। इससे कभी सामने से आनेवाली गाड़ी टकरा सकती है।

दूसरी सबसे बड़ी गड़बड़ी आधुनिक सेंसर सिग्नलिंग सिस्टम का अभाव है। मुंबई में लोकल ट्रेन के लिए यह सिस्टम है। लेकिन एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए कम है। यहां सिग्नलिंग सिस्टम को और पुख्ता करने की जरूरत है। तीसरी समस्या एक्सप्रेस गाड़ियों के लेट होने पर मैन्युअल सिग्नलिंग सिस्टम का उपयोग होता है। ऐसे में यह भी रिस्की ही होता है।

महाराष्ट्र में प्रकृति प्रेमी ने पौधारोपण को बढ़ावा देने के लिए घर में बनाया बीज बैंक

लातूर : महाराष्ट्र के लातूर जिले में 36 वर्षीय शिवशंकर चापूले ने पौधारोपण को बढ़ावा देने और लोगों को हरियाली की महत्ता को लेकर जागरूक करने के लिए अपने घर में एक बीज बैंक बनाया है। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने लातूर की रीनापुर तहसील के इस प्रकृति प्रेमी की लोगों को निशुल्क बीज उपलब्ध कराने की पहल की प्रशंसा की और कहा कि कई छात्रों तथा नागरिकों ने पौधे लगाने के लिए उससे प्रेरणा ली है। चापूले ने तीन साल पहले यह पहल शुरू करने से लेकर अब तक 5,000 लोगों और कुछ एनजीओ (गैर-सरकारी संगठनों) को बीज उपलब्ध कराने का दावा किया है। वह पौधारोपण के लिए प्रेरित करने के साथ ही लोगों को वायु प्रदूषण और वैश्विक ताप वृद्धि के हानिकारक असर के बारे में भी बताते हैं। बीज बैंक में पौधों के संरक्षण के लिए बीजों का भंडारण किया जाता है। पांच जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' से पहले 'पीटीआई-भाषा' से

बातचीत में चापूले ने कहा कि उन्होंने अपना घर बीज बैंक में बदल दिया है, जहां स्वदेशी पौधों और वृक्षों के 150 से अधिक किस्मों के बीज हैं। एक निजी गैस एजेंसी में काम करने वाले चापूले ने कहा कि उन्होंने तीन साल पहले यह बीज बैंक शुरू किया था, जिसके जरिये वह लोगों को ऐसे पौधा लगाने के लिए निशुल्क बीज उपलबध करा रहे हैं, जो स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए लाभकारी होते हैं। उन्होंने कहा, ''बीज बैंक का उद्देश्य वृक्षारोपण बढ़ाना और स्वदेशी पौधों/वृक्षों के बारे में जागरूकता पैदा करना है, क्योंकि दुनियाभर में प्रदूषण और तापमान का स्तर बढ़ रहा है तथा औद्योगिकीकरण और आबादी में वृद्धि के कारण हरित क्षेत्र तेजी से कम हो रहे हैं।''

चापूले ने 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की है और वह बचपन से ही प्रकृति प्रेमी रहे हैं। चापूले प्लास्टिक की बोतलों का पुनः इस्तेमाल करने को लेकर भी जागरूकता पैदा कर रहे हैं। वह कबाड़ में फेंकी गई बोतलें इकट्ठा करते हैं और बीजों का भंडार करने के लिए उनका इस्तेमाल करते हैं। चापूले ने कहा, ''मैं बीज एकत्रित करने के लिए हर सुबह पास में स्थित एक जंगल में जाता हूं। मैं लोगों को डाक सेवा के जरिये भी निशुल्क बीज उपलब्ध कराता हूं। अभी तक, मैंने 5,000 लोगों और सहयाद्री देवराय और सहयाद्री फाउंडेशन जैसे एनजीओ को बीज उपलब्ध कराए हैं, ताकि वे पौधे लगा सकें और उन्हें निशुल्क वितरित कर सकें।''

नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में युवक गिरफ्तार

पुणे : महाराष्ट्र के पुणे जिले में चार साल पहले लापता हुई एक नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में जावेद शेख नामक एक 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार लड़की मार्च 2019 में जिले के मंचर शहर से लापता हो गई थी, जिसके बाद परिवार की ओर से इस सिलसिले में अपहरण का मामला दर्ज कराया गया था।

पिछले महीने आरोपी युवक (22) और लड़की मंचर लौट आए थे। पुलिस अधिकारी ने कहा कि लड़की के रिश्तेदारों ने उसे उस कमरे से सुरक्षित निकाला जहां वह आरोपी के साथ रह रही थी। पुलिस ने एक विज्ञप्ति में कहा, '' 16 मई को लड़की के परिजनों ने उसे थाने में पेश किया। अगले दिन आरोपी जावेद शेख को गिरफ्तार कर लिया गया। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।'' पुलिस ने जावेद शेख के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 363 (अपहरण), 376 (दुष्कर्म), 324 , 344 और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इस बीच, भाजपा नेता और विधान परिषद के सदस्य गोपीचंद पाडलकर ने एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि लड़की को प्रताड़ित किया गया था। भाजपा नेता ने कहा कि लड़की को सिगरेट से दागा गया, उसे कुछ अनैतिक काम करने, मांस खाने और बुर्का पहनने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने पुलिस से इस मामले की तह तक जाने का आग्रह किया।

दो लाख की ड्रग्स के साथ एक गिरफ्तार

बसई : मीरा भायंदर-वसई विरार आयुक्तालय के एंटी-नारकोटिक्स यूनिट की टीम ने नालासोपारा पश्चिम इलाके में छापेमारी कर एक 31 वर्षीय व्यक्ति को ड्रग्स के साथ अरेस्ट किया है. गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ नालासोपारा पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है. उक्त कार्रवाई डीसीपी (अपराध) अविनाश अंबुरे व एसीपी अमोल मांडवे के मार्गदर्शन में त उनिट का गुखजर के पुलिस निरीक्षक अमर मराठे की टीम ने की है. एंटो-नारकोटिक्स यूनिट को से सूचना मिली कि नालासोपारा पश्चिम के गास रोड परिसर स्थित करारी मिल के समीप एक 31 वर्षीय व्यक्ति ड्रग्स बिक्री के लिए आने वाला है. इसी सूचना के आधार पर टीम ने उक्त स्थान पर जाल बिछाकर एक संदिग्ध को हिरासत में लिया. पूछताछ किये जाने पर उसकी पहचान मोहम्मद अदनान सूफियाना शेख 31 वर्ष के रूप में हुई. इस दौरान ली गयी तलासी में 10 ग्राम ड्रग्स (ब्राउन शुगर) बरामद हुआ, जिसकी कीमत 2 लाख रुपये आकी गयी है.

हजारों रुपये के गांजे के साथ एक गिरफ्तार

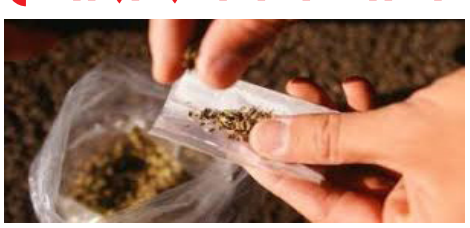

वसई : एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत क्राइम ब्रांच युनिट २ वसई की टीम ने एक ५७ वर्षीय शख्स को गांजा के साथ के गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ नायगांव पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार,क्राइम ब्रांच युनिट ३ वसई द्वारा नायगांव पूर्व वाकीपाडा इलाके में गुप्त सूचना के माध्यम से एक ५७ वर्षीय शख्स को ४५० ग्राम वजन गांजा के साथ पकड़ा।पुलिस ने बताया कि बरामद गांजा कीमत ११,२५० रुपये आकी गयी है और आरोपी विनोद उर्फ बुलंदि रामफल गुप्ता (५७) को गिरफ्तार कर लिया गया।

कर्ज चुकाने के लिए खुद के किडनैप की रची साजिश, पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई पुलिस ने गुरुवार को कहा कि मुंबई के एक 27 वर्षीय व्यक्ति को कथित तौर पर खुद के अपहरण का नाटक करने और अपने परिवार से कर्ज चुकाने के लिए फिरौती मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. मुंबई के पुलिस उपायुक्त अजय बंसल ने संवाददाताओं को बताया कि आरोपी की पहचान जितेंद्र जोशी के रूप में हुई है. डीसीपी ने कहा, ''एक 27 वर्षीय व्यक्ति जितेंद्र जोशी ने खुद के अपहरण का नाटक किया और अपना कर्ज चुकाने के लिए अपने परिवार से फिरौती मांगी.ह्व जोशी की पत्नी को एक व्हाट्सएप कॉल आया था, जिसमें उन्हें बताया गया था कि उनके पति का अपहरण कर लिया गया है और उन्हें 5 लाख रुपये की फिरौती देने की धमकी दी गई है. आरोपी के परिजनों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मामले की जांच शुरू हुई.

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 जून, 2023

डिलाइसल पुल की एक लेन खुला! लोगों को बड़ी राहत....

मुंबई : बहु प्रतीक्षित लोअर परेल के डिलाइसल पुल की एक लेन को वाहन चालकों की अवाजाही के लिए खोल दिया गया है। पश्चिम की ओर जाने वाली लेन लोअर परेल, वर्ली, प्रभादेवी और करी रोड, भायखला क्षेत्रों को जोड़ती है। मार्ग की इस लेन के खुलने से लोगों को बड़ी राहत मिली है, जबकि पूर्व की ओर जाने वाला लेन अगले महीने की अंतिम तारीख तक पूरा हो जाएगा और फिर इसे पूरी क्षमता से यातायात के लिए खोल दिया जाएगा।

प्राप्त जनकारी के अनुसार, लोअर परेल वेस्ट में सेनापति बापट मार्ग जंक्शन से गणपतराव कदम मार्ग, उर्मी एस्टेट और पेनिनसुला कॉरपोरेट पार्क तक की लेन को यातायात के लिए खोल दिया गया है। इसके शुरू होने के साथ ही यहां पूर्व-पश्चिम की आवाजाही के लिए लोगों ने राहत की सांस ली है। मनपा ने वर्ष २०१८ में इस पुल को तोड़ने का काम शुरू किया था। जनवरी २०२० में इसके लिए वर्कऑर्डर जारी किया गया था। अब अगले महीने तक इसका काम पूरा हो जाएगा।

लोअर परेल में पुल का पुनर्निर्माण कार्य पश्चिम रेलवे और मनपा ने मिलकर किया है। दूसरे लेन पर कंक्रीटाइजेशन, रंगाई-पुताई और साज-सज्जा के काम बाकी हैं। यहां पुल पर पादचारियों के लिए सुरक्षा की दृष्टि से पुल से सटा कर फुटपाथ का निर्माण किया गया है। भविष्य में इस पर जनता के लिए कुल ४ सीढ़ियां व दो एस्केलेटर बनवाकर उक्त फुटपाथ को जोड़ा जाएगा। पुल के नीचे क्रॉसिंग के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध होगी और साइड सर्विस लेन भी पहले से ज्यादा चौड़ी बनाई जा रही है।

मुंबई को बदसूरत करने वाली होर्डिंगी के खिलाफ आयुक्त सख्त...

तीन दिन में सभी होर्डिंग हटाने का निर्देश

मुंबई : पिछले कुछ दिनो से मुंबई को बदसूरत करने वाली होर्डिंग की भरमार हो गई है। मुंबई हाई कोर्ट अवैध रूप से लगने वाली हॉर्डिंगो के खिलाफ इसके पहले कई बार सख्त आदेश दिया है बावजूद इसके होर्डिंग की भरमार लगी रहती हैं। मनपा आयुक्त ने मनपा के सभी वार्ड अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है कि लगी सभी होर्डिंग को निष्कासित करे।मनपा ने 3 दिन तक शहर में लगी होर्डिंग हटाने का निर्देश दिया है। मनपा आयुक्त ने भी मुख्य और आंतरिक सड़कों के साथ-साथ राजनीतिक और गैर-राजनीतिक दलों के सभी अनधिकृत पोस्टर, बैनर और होर्डिंग को तत्काल हटाने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि मनपा द्वारा अवैध होर्डिंग को लेकर नियमित कार्रवाई की जाती है। मनपा के लाइसेंस विभाग के अधिकारी अवैध होर्डिंग पर कार्रवाई करते रहते है। इसके बावजूद मनपा आयुक्त द्वारा अचानक अवैध होर्डिंग के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देना कुछ अलग शंका जता रहा है। मनपा आयुक्त ने अगले तीन दिन तक मुंबई में लगे सभी बैनर पोस्टर और होर्डिंग हटाने का निर्देश दिया है। हालांकि, अनधिकृत होर्डिंग्स पर नकेल कसने की इस अचानक कार्रवाई का कोई कारण अधिकारियों को नहीं बताया गया।मनपा ने बार-बार उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान करने पर कड़ी कार्रवाई करने का भी प्रस्ताव दिया है। मनपा आयुक्त ने मनपा के सभी जोन के उपायुक्त को निर्देश दिया है कि अपने सभी वार्ड में जाकर अवैध होर्डिंग की जानकारी ले और उसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारी को दे। मुंबई हाई कोर्ट ने वर्ष 2016 मनपा आयुक्त को और सरकार को निर्देश दिया था कि अवैध होर्डिंग के खिलाफ कार्रवाई करे. कोर्ट ने राज्य की राजनितिक पार्टियों को भिओ कटघरे में खड़ा किया था और उन पर भी दंड लगाया था।

लाखों रुपये की ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

वसई : एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत एंटी-नारकोटिक्स सेल की टीम ने नालासोपारा पश्चिम इलाके में रेड कर एक ३१ वर्षीय शख्स को हेरोइन ड्रग्स के साथ धर दबोचा है। उसके खिलाफ नालासोपारा पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई डीसीपी (क्राइम) अविनाश अंबुरे व एसीपी अमोल मांडवे के मार्गदर्शन में एंटी-नारकोटिक्स सेल के पुलिस निरीक्षक अमर मराठे की टीम ने की है। सेल की टीम ने उसके पास से १० ग्रामवजन हेरोइन (ब्राउन शुगर) जप्त किया है। जिसकी कीमत २,००,००० रुपये आकी गयी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी मोहम्मद अदनान सूफियाना शेख (३१) उपरोक्त ड्रग्स विक्री के लिए लाया था।

120 किलो प्लास्टिक जब्त, 30 हजार रुपये जुमार्ना

वसई : वसई विरार शहर महानगरपालिका कार्यक्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक बैन के तहत घनकचरा डिपार्टमेंट के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है. उपायुक्त घनकचरा व्यवस्थापन विभाग चारुशीला पंडित के निर्देशन में एवं वरिष्ठ आरोग्य निरीक्षक अविनाश गुंजालकर के नेतृत्व में ३१ मई व १ जून २०२३ तक प्रभाग समिति 'सी' चंदनसार कार्यक्षेत्र व वार्ड नं १९,विरार पूर्व सबवे के पास सिंगल यूज प्लास्टिक बैन उसी के अनुसार कार्रवाई की गई,उक्त कार्रवाई में १२० किलो प्लास्टिक जब्त किया गया और ३०,००० रुपये का जुमार्ना लगाया।

शिवसेना सांसद कीर्तिकर का यू -टर्न

हमने यह कभी नहीं कहा की भाजपा हमारे साथ सौतेला व्यवहार कर रही है -कीर्तिकर

मुंबई : अपनी सहयोगी पार्टी भाजपा को लेकर बयान देने वाले शिवसेना सांसद गजानन कीर्तिकर ने अपने बयान पर यू-टर्न ले लिया है। कीर्तिकर ने आरोप लगाया था कि एनडीए का सहयोगी दल होने के बावजूद हमारे साथ भाजपा सौतेला व्यवहार करती है. इस आरोप के कुछ दिन बाद यानी गुरुवार को सांसद कीर्तिकर ने अपने बयान से यु -टर्न लेते हुए कहा कि हमने ऐसा कोई बयान नहीं दिया था मेरे मुहं से ऐसा निकल गया था.गजानन कीर्तिकर ने कहा कि मैंने यह नहीं कहा था कि भाजपा मेरे साथ सौतेला व्यवहार कर रही है.राज्य के महाविकास आघाडी सरकार के ढाई साल के दौरान जब मैं सांसद था, तब भाजपा -शिवसेना का कोई गठबंधन नहीं था। जब उस समय हमने भाजपा के खिलाफ कुछ नहीं बोला अब तो वे हमारे सहयोगी दल बन गए है. कीर्तिकर ने कहा कि एकनाथ शिंदे के बगावत के बाद राज्य में भाजपा और शिवसेना के गठबंधन की एक बार फिर सरकार बन गई है. हम फिर एनडीए के घटक दल बन गए हैं

कीर्तिकर पर राउत का तंज

सांसद गजानन कीर्तिकर के यू -टर्न पर ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने उनकी चुटकी लेते हुए उनपर हमला बोला है.राउत ने कहा कि कीर्तिकर को अपना बयान फिर से सार्वजनिक रूप से सुनना चाहिए।

कीर्तिकर ने क्या कहा ?

बीते दिनों शिवसेना सांसद कीर्तिकर ने कहा था की उध्दव ठाकरे का साथ छोड़कर हम 13 सांसद एकनाथ शिंदे के साथ आए हैं और हम एनडीए के घटक दल हैं। पहले हम एनडीए के घटक दल नहीं थे। इसलिए, एनडीए का हिस्सा होने के हमारा काम होना चाहिए। हमारी मांग है कि राज्य में भी हमे एनडीए का दर्जा मिलनी चाहिए। कीर्तिकर ने कहा था की ''भाजपा द्वारा हमारे साथ खराब व्यवहार किया जा रहा है।कीर्तिकर के इस बयान के बाद विपक्ष शिवसेना और भाजपा में शुरू खटपट के बाद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को आगे आकर गठबंधन का बचाव करना पड़ा था जिसे लेकर फणडवीस ने दावा किया था कि कीर्तिकर ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है जिससे भाजपा और शिवसेना के गठबंधन में कोई फुट होगा।

मुंबई-गोवा 'वंदे भारत' : स्पीड पर लगाया जा सकता है प्रतिबंध

मुंबई : मुंबई-गोवा 'वंदे भारत' एक्सप्रेस ट्रेन कोकण रेलवे के मानसून समय सारिणी के सेट होने से ठीक सात दिन पहले हरी झंडी दिखाने के लिए तैयार है और संभवतः इसकी स्पीड पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। कोकण क्षेत्र मानसून के मौसम के दौरान भारी वर्षा के लिए जाना जाता है और वहां ट्रेनें चलाना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, मानसून पेट्रोलिंग और अलग-अलग कंट्रोल रूम से निगरानी के बीच ट्रेनों को सावधानी के साथ सीमित गति से चलाया जाता है। मानसून समय सारिणी, जो हर साल जून की शुरूआत में लागू होती है, उसका पालन १० जून से किया जाएगा। मानसून के दौरान विशेष सावधानी बरती जाती है, जैसे कि संवेदनशील स्थानों पर चौबीसों घंटे गश्त करना और गति को सीमित रखने के अलावा सुरक्षाकर्मियों और रेलवे कर्मचारियों की तैनाती। क्षेत्र में वर्षा को रिकॉर्ड करने और भारी बारिश की स्थिति में अधिकारियों को सतर्क करने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर स्व-रिकॉर्डिंग वर्षामापी स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा यदि पानी का प्रवाह खतरे के स्तर से अधिक हो जाता है तो पुलों के लिए बाढ़ चेतावनी सिस्टम अधिकारियों को सचेत करती है और हवा के वेग की निगरानी के लिए पुलों पर एनीमोमीटर लगाए जाते हैं।

भारत में अन्य जगहों के मुकाबले 'मुंबई वंदे भारत' एक्सप्रेस में सिर्फ ८ कोच होंगे। चेन्नई की इंटीग्रल कोच पैष्ठक्ट्री ने पहले ही गोवा में मडगांव के लिए आठ-कोच की ट्रेन भेज दी है। जरूरत पड़ने पर आठ कोच वाली ट्रेन में बाद में बदलाव किया जाएगा। अस्थायी गैर-मानसून समय सारिणी के अनुसार, ट्रेन सीएसएमटी से सुबह ५.२५ बजे निकेलगी और दोपहर १.१५ बजे मडगांव पहुंचेंगी। मडगांव से वापसी यात्रा दोपहर २.३५ बजे शुरू होगी और रात १०.२५ बजे तक सीएसएमटी पहुंचेगी।

CMYK

अंजाने में हुई थी चिप्स की खोज

बच्चों, आज हम जानेंगे कि चिप्स कैसे बनी। आप को बता दें कि दुनिया में चावल के बाद सबसे अधिक जिस चीज का यूज होता है, वह है आलू। आलू केवल सब्जी के रूप में नहीं खाया जाता, बल्कि यह चिप्स के रूप में सबसे अधिक खाया जाता है। आप लोग भी बड़े चाव से चिप्स खाते हैं। तो आइए जानते हैं चिप्स की रोचक कहानी।

चिप्स की खोज अंजाने में हो गई थी। हुआ यह था कि अमेरिका के एक एक रेस्टोरेंट में एक व्यक्ति फ्रेंच फ्राइज खाने गया। वहां उसे जो फ्रेंज फ्राइज मिला वह बहुत हार्ड था। उस व्यक्ति ने इसकी शिकायत रेस्तरां के मैनेजर से कर दी। इसके बाद शेफ ने कागज जितने पतले आलू काटकर उसे क्रंची क्रिस्सी बनाकर दिया। यह उसे बहुत पंसद आया। धीरे-धीरे यह लोगों को पसंद आने लगा और बाद में पैकेट में पैक होकर आने लगा।

खास है इसकी खोज

अमेरिका में पतला, नमकीन और क्रिस्पी चिप्स को फेवरेट स्नैक्स फूड माना जाता है। पोटैटो चिप्स की शुरुआत वर्ष 1853 में अमेरिका के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से हुई। ऐसा माना जाता है कि तब वहां के एक व्यक्ति ने फ्रेंच फ्राइज की जगह पर इसे सर्व करना शुरू कर दिया था। इसे तैयार करने वाले अमेरिकी मूल प्रजाति के सदस्य जॉर्ज क्रम न्यूयॉर्क स्थित एक रिजॉर्ट 'साराटोगा स्प्रिंग्स' में शेफ थे। एक बार उनके ग्राहक कॉर्नेलियस वेंडरबिल्ट ने शिकायत दर्ज की कि उनके फ्रेंच फ्राइज बेहद हार्ड हैं तो जॉर्ज ने उनके लिए कागज जितने पतले आलू काटकर उसे क्रंची, क्रिस्पी बनाकर उसे सर्व कर दिया, जिसे बाद में कुछ लोगों ने काफी पसंद किया और फिर बार-बार वे इसे अपने ग्राहकों को परोसते रहे। इसके बाद से ही उस डिश का नाम 'साराटोगा चिप्स' रखा गया, जो जल्दी ही लोगों का पसंदीदा स्नैक्स बन गया।

साराटोगा से चिप्स तक

शेफ जॉर्ज क्रम ने बाद में अपना एक नया रेस्टोरेंट खोल लिया, जहां वे आलू को फ्रैंची करके परोसा करते थे। देखते ही देखते उनके पास धनवान ग्राहकों की लंबी लाइन लगने लग गई। वर्ष 1914 में उनकी मृत्यु होने तक यह काफी चर्चित हो गई थी। बाद में कुछ लोगों के दिमाग में यह बात आई कि क्यों न इस स्नैक्स फूड को पैक करके ग्रॉसरी शॉप्स पर बेचना शुरू कर दिया जाए। क्लीवलैंड के विलियम टैपन्डन ने इसे अपने घर में ही तैयार कर पैक रूप में करीब के एक ग्रॉसरी शॉप्स में बेचने के लिए पहुंचाना शुरू कर दिया।

पैक हुआ चिप्स

वर्ष 1920 तक चिप्स बहुत ज्यादा पॉपुलर नहीं हुआ था, क्योंकि पोटैटो चिप्स को तब तक कांच के बड़े-बड़े डिब्बों में रखा जाता था, जिससे इसके शेलिंग में प्रॉब्लम आती थी, लेकिन जब इसे वैक्स पेपर बैग में पैक करके पेश किया गया, तब इसकी पॉपुलैरिटी एकदम से बढ़ गई। इसका एक सबसे बड़ा कारण यह था कि इन वैक्स पेपर बैग्स में ये देर तक फ्रेश रहते थे, जिसकी वजह से इसे दूर-दूर तक ताजगी के साथ पहुंचाना आसान हो गया।

हर जगह हुआ पॉपुलर

वर्ष 1932 में टेनिसी स्थित नैशविले के व्यवसायी हरमन ले ने सबसे पहले 'लेज' की खोज की। उन्होंने अटलांटा के एक फैक्टरी से पोटैटो चिप्स के डिस्ट्रीब्यूशन का काम शुरू किया। दक्षिण में घूम-घूम कर चीजें बेचने वाले विक्रेता हरमन ले का अटलांटा से टेनिसी तक स्नैक्स फूड के रूप में इसे पॉपुलर बनाने में अहम् योगदान रहा। वह पोटैटो चिप्स से भरा एक ट्रक अपनी कार में रखकर जगह-जगह घूमते और इसका स्वाद सबको चखाते। इस तरह जल्दी ही 'लेज पोटैटो चिप्स' एक नेशनल ब्रांड बन गया।

एक नशा है चिप्स

बच्चों, क्या आपको मालूम है कि आज सबसे अधिक चिप्स अमेरिका में खाया जाता है। लेकिन आप को जानकर आश्चर्य होगा कि पहले वहां इसे खाने योग्य नहीं समझा जाता था। जानते हैं ऐसा क्यों? इसके पीछे मुख्य कारण आलू से इसे तैयार होना माना जाता था, क्योंकि तब अमेरिका के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में रहने वाले लोग सूअरों को आलू खाने के लिए देते थे। उन्हें लगता था कि आलू किसी भी इंसान की उम्र को कम कर देता है। वैसे वहां के लोगों का मानना था कि आलू में एक अजीब तरह का नशा होता है, जो हमें बार-बार इसे खाने के लिए प्रेरित करता है।

हैंग ग्लाइडिंग की मदद से भरें उड़ान

सतरंगी सपनो की चमक लिए आप भी आकाश की ऊंचाई नापने की इच्छा रखते होंगे। चिड़ियों को पंख फैलाए नीले आकाश में उड़ान भरते हुए देख जी मचलने लगता है। काश! हम भी उड़ सकते। बच्चो, आप लोग निराश मत होइए आप बड़े होकर हैंग ग्लाइडिंग की मदद से उड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि क्या है हैंग ग्लाइडिंग?

क्या है हैंग ग्लाइडिंग

हैंग ग्लाइडिंग में डेल्टा आकार का एक पैराशूट होता है, जिसे एक फ्रेम में बांधकर व्यक्ति को बैठा दिया जाता है। वायुमंडल में ऊपर उठते ही गर्म हवा के झोंकों से आकाश में यह उठता है। आकाश में उड़ने की इस तकनीक को 1973 में आस्ट्रेलियाई वैज्ञानिक ने आधुनिक खेल का रूप दिया। एक अनुमान के मुताबिक इस समय विश्व में करीब 6 लाख हैंड ग्लाइडिंग पायलट हैं। हैंग ग्लाइडिंग के साहसिक अभियान में रुचि रखने वाले सैलानियों के लिए देश में दो सेंटर उत्तर और पश्चिम में उपलब्ध हैं। उत्तरी सेंटर में हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला के निकट हैंग ग्लाइडिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है। पश्चिमी सेंटर में कारला, सिंहगढ़ दुर्ग पंचगनी में प्रशिक्षण होता है। हैंग ग्लाइडिंग की सहायता से आप उड़ने की अपनी इच्छा पूरी कर सकते हैं।

ग्लाइडिंग तकनीक

बच्चों, आप को बता दें कि सबसे पहले गुस्ताव एवं ऑटो लिलिएन्थल ब्रदर्स ने ग्लाइडिंग तकनीक की खोज की। इसके बाद एक छोटी सी साइकिल की दुकान चलाने वाले विल्बर और अर्विल राइट ने हवा में उड़ने वाले आधुनिक ग्लाइडर की खोज की। इसके साथ ही ग्लाइडर को आधुनिक बनाने की खोज चलती रही। आज फाइबर ग्लास के और 20-22 मीटर तक लंबे पंखों वाले उन्नत किस्म के स्वचालित ग्लाइडर उपलब्ध हैं। हैंग ग्लाइडिंग से जुड़ी कई प्रतियोगिताएं विश्व में आयोजित की जाती हैं। भारत में बेलूनिंग, स्काई ड्राइविंग और हैंग ग्लाइडिंग आदि एडवेंचरस खेल विकसित हुए हैं और धीरे-धीरे लोकप्रिय हुए हैं।

जातिवादी हकीकत दिखाते मीठे अंगूर बन गई कटहल

ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'कटहल' जातिवाद पर कड़ा प्रहार करती है. फिल्म शुरू होने से पहले लगा था कि यह उत्तर प्रदेश या बिहार की राजनीति पर बनने वाली आम सी हलकी फिल्म होगी पर इस की गंभीरता इसे देखने बाद समझ आती है। इस फिल्म में बारीकी से बताया गया है कि कैसे हमारे सिस्टम की नसनस में जातिवादी और गरीबविरोधी भावना भरी पड़ी है. हंसीठट्ठे और हलकी कौमेडी के साथ यह फिल्म सामाजिक संदेश देने का काम बखूबी करती है. कटहल के नाम पर फिल्म 'अंगूर' बन गई सी लगती है। फिल्म की मुख्य किरदार एक महिला है जो बसोर जाति से है. बसोर जाति के लोग अतीत से बांस से बने उत्पादों को बनाते रहे हैं. इन्हें दलित जाति में गिना जाता है जो उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश से संबंधित हैं. इस लिहाज से निर्देशक यशोवर्धन मिश्रा की तारीफ तो बनती है कि उन्होंने ऐसे समय किसी दलित नायिका को लीड लेने का विचार किया जब लगभग सभी फिल्मों में ऊंची जातियों के नायकनायिकाएंही दिखाए जा रहे हैं। फिल्म में प्रशासनिक सिस्टम पर भी कटाक्ष किया गया है, जैसे हमारे देश की पुलिस नेताओंके दबाव में रहती है. अगर किसी गरीब की बच्ची गुम हो जाए या जवान बेटी को कोई उठा ले तो पुलिस उसे ढूंढनेमें उतनी मेहनत और संसाधन खर्च नहीं करती. मगर वहीं किसी वीवीआईपी या मंत्री की भैंस, कुत्ता या कटहल चोरी हो जाए तो पूरा पुलिस महकमा उसे ढूंढने में लग जाता है, भले ही प्रशासन के इस पर लाखों रुपए खर्च क्यों न हो जाएं। ओटीटी पर रिलीज हुई 'कटहल' यानी जैकफरूट इसी तरह की फिल्म है. फिल्म में माननीय विधायक (मुन्नालाल पटेरिया) के बगीचे में पेड़ पर लगे 15-15 किलो के विदेशी प्रजाति के 2 कटहल चोरी हो जाते हैं. विधायक पटेरिया को मंत्री बनना है, जिस के लिए वे प्रदेश के सीएम को इंप्रैस करने के लिए कटहल का अचार भेजना चाहते हैं. समस्या यह है कि यही कटहल चोरी हो गए हैं. मामला हाईप्रोफाइल बन जाता है. कटहल को ढूंढने की जिम्मेदारी पुलिस अफसर महिमा बसोर को दी जाती है।

मनोज बाजपेयी की बंदा ओटीटी के बाद अब सिनेमाघरों में हुई रिलीज

मनोज बाजपेयी मौजूदा वक्त में फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। यह फिल्म 23 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई थी। फिल्म में मनोज के अभिनय की हर तरह काफी प्रशंसा हो रही है। पिछले लंबे वक्त से दर्शक इस कोर्टरूम ड्रामा फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने की मांग कर रहे थे, जो अब पूरी हो चुकी है। दरअसल, बंदा ओटीटी के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। मनोज की बंदा को भारत के कुछ चुनिंदा सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है, जिसमें मुंबई (6), दिल्ली-उत्तर प्रदेश (9), राजस्थान (1) और बिहार (4) शामिल हैं। फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है को सेंसर बोर्ड ने यू/ए सर्टिफिकेट द्वारा पास कर दिया है। इसका मतलब फिल्म को बच्चे बड़ों की निगरानी में देख सकते हैं। फिल्म 2 घंटे, 12 मिनट, 50 सेकंड की होगी। बंदा इकलौती ऐसी फिल्म है, जिसे ओटीटी के बाद सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर मनोज वाजपेयी ने पोस्ट शेयर करते हुए सिर्फ एक बंदा काफी है कि थिएट्रिकल रिलीज की जानकारी दी। एक्टर ने ट्वीट किया, बंदा आज से थिएटर्स में दस्तक दे रही है। भारी मांग के चलते फिल्म को रिलीज किया जा रहा है।सिर्फ एक बंदा काफी है की कहानी की बात करें तो फिल्म एक लीगल ड्रामा है। फिल्म में मनोज वाजपेयी ने एडवोकेट पीसी सोलंकी का किरदार निभाया है, जो एक धर्मगुरु को नाबालिगों के यौन शोषण के मामले में सजा दिलाने के लिए केस लड़ता है और सफल होता है।

क्या ऐश्वर्या को अनफॉलो किया आयशा ने!

सीरियल गुम है किसी के प्यार में एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा और आयशा सिंह के बीच इन दिनों लड़ाई चल रही है, जिस वजह से दोनों एक दूसरे को ऑनफॉलो कर दिए हैं इंस्टाग्रा पर. अगर सीरियल की बात करें तो इन दिनों सीरियल में काफी ज्यादा बदलाव लग रहा है। सीरियल में पत्रलेखा का किरदार निभा रही ऐश्वर्या शर्मा इन दिनों टीवी शो खतरों के खिलाड़ी का हिस्सा हैं, जिस वजह से उन्होंने शो को बॉय बॉय बोल दिया है. हाल ही में ऐश्वर्या शर्मा और आयशा सिंह एक दूसरे को सोशल मीडिया पर ऑनफॉलो कर दिया है. जिस वजह से दोनों को लेकर सोशल मीडिया पर बवाल मचा हुआ है। हाल ही में आयशा सिंह ने ऐश्वर्या को ऑनफॉलो करने को लेकर सोशल मीडिया पर बयान दिया है जो काफी ज्यादा वायरल हो रहा है, जब आयशा से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में कोई बात नहीं करुंगी मैं इन दिनों अपने शूटिंग पर फोक्स कर रही हूं. अपने काम में काफी ज्यादा व्यस्त हूं. बता दें कि ऐश्वर्या शर्मा इन दिनों कैपटाउन में हैं रोहित शेट्टी का शो खतरों के खिलाड़ी की शूटिंग में व्यस्त हैं।

कियारा आडवाणी के साथ काम करना चाहते हैं रोहित सुचांती

टीवी सीरियल भाग्य लक्ष्मी' के स्टार रोहित सुचांती बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी के बहुत बड़े फैन हैं। उन्हें उम्मीद है कि वह एक दिन बड़े पर्दे (स्क्रीन) पर उनके साथ रोमांस करते नजर आएंगे। टेलीविजन इंडस्ट्री में कई सालों तक काम करने के बाद, रोहित ने कई अभिनेत्रियों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया है। लेकिन अब उनका सपना कियारा आडवाणी के साथ काम करने का है।रोहित हाल ही के प्रोजेक्ट में कियारा आडवाणी की एक्टिंग स्किल और परफॉर्मेंस से प्रेरित हैं। रोहित ने कियारा के बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि मैंने कभी किसी एक्ट्रेस को इतने कम समय में इतना वसेर्टाइल बनते नहीं देखा।किरदार कोई भी हो, कियारा ने उसे बखूबी निभाया है और अपने परफॉर्मेंस से सबका दिल जीत लिया है। वह हमेशा अपनी रोल में अपना सर्वश्रेष्ठ देती हैं और यही एक ऐसी चीज है जिसने मुझे हमेशा आकर्षित किया है।रोहित ने कियारा की सफलता की स्टोरी पर कहा, कियारा बहुत कम समय में ही इंडस्ट्री के ज्यादातर डायरेक्टर्स की पहली पसंद बन गई हैं। अगर मुझे कभी कियारा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने का मौका मिलता है तो मेरे लिए बहुत सम्मान की बात होगी। मुझे लगता है कि हम साथ में स्क्रीन पर अच्छे दिखेंगे। भाग्य लक्ष्मी' रोजाना रात 8:30 बजे जी टीवी पर प्रसारित होता है।

CMYK

महाराष्ट्र क्राईम्स

मुंबई, 05 जून, 2023

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने सुलझा लिया सिर कटी लाश मिलने के मामले की गुत्थी

मुंबई, भायंदर इलाके में उत्तन पुलिस स्टेशन की ज्यूरिस्डिक्शन में समुंद्र किनारे एक ट्रैवल बैग में महिला की सिर कटी लाश मिलने से सनसनी मच गई थी. मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया था. जिसके बाद अब पुलिस ने इस मामले को सुलझा लिया है. पीड़ित महिला की शिनाख्त हो गई है. पुलिस ने बताया कि मृतक महिला नायगांव की रहने वाली थी. इस हत्या का राज महिला के हाथ पर बने टैटू से खुला और उसके जरिये ही पुलिस दोनो आरोपियों तक पहुंच गई. पुलिस ने महिला की हत्या के आरोप में उसके पति और देवर को गिरफ्तार कर लिया है. महिला का पति मिंटू सिंह और देवर चुनचुन सिंह मूलत बिहार के रहने वाले हैं. पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं पुलिस दोनों की रिमांड के लिए आज उन्हे अदालत में पेश करेगी. पुलिस के मुताबिक महिला की सिर कटी बॉडी के चलते उनके पास कुछ ज्यादा सुराग नहीं था. महिला के हाथ पर बने टैटू को जांच का आधार बनाते हुए पुलिस ने वसई-विरार के करीब 15-20 टैटू की दुकानों पर छानबीन की. इस छानबीन में महिला के हाथ पर बने त्रिशूल और ओम के टैटू की पहचान टैटू बनाने वाले ने कर ली. उससे मिले सुरागों ने आधार पर महिला की पहचान अंजली सिंह हुई. जिसके बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी और उसके पति मिंटू सिंह और देवर चुनचुन सिंह को गिरफ्तार कर लिया.

शादी के दौरान हुई आफत की बारिश, हॉल की दीवार ढही, 1 की मौत, 4 जख्मी

सांगली, महाराष्ट्र के सांगली के इनाम धामनी गांव में भारी बारिश के दौरान शादी हॉल की दीवार गिरने से 17 वर्षीय लड़के की मौत हो गई। घटना में चार लोग घायल हो गए। अचानक हुई बारिश और आंधी से सांगली क्षेत्र में कई पेड़ उखड़ गए, जिससे विभिन्न स्थानों पर यातायात बाधित हुआ।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतक युवक की पहचान कोल्हापुर जिले के उमालवाड़ निवासी आदित्य कपूर कोली के रूप में हुई है। जबकि, कल्पना पंत (35), सूरज सिंह (24), लक्ष्मण श्रीकांत वरगंटे (23), साहिल नंदीवाले (25) घायल हो गए, सभी जयसिंगपुर के रहने वाले हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इनाम धामनी गांव के मैरिज हॉल में शादी समारोह आयोजित किया गया था। जिसमें जयसिंगपुर व उमालवाड़ गांव के युवक व महिलाएं कैटरिंग व अन्य काम के लिए आए थे। शाम में शादी कार्यकम के बाद बारिश शुरू हो गई। जिसके बाद मृतक और अन्य पीड़ित दीवार के पास खड़े हो गए, इस बीच अचानक दीवार उन पर ही गिर पड़ी।

घायलों को सांगली के सरकारी मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने आदित्य कोली को मृत घोषित कर दिया। कोली अभी पढ़ाई करता है और कुछ पैसे कमाने के लिए साथ में कैटरर का काम भी करता था। उसके पिता सिक्योरिटी गार्ड बताये जा रहे हैं।

सांगली जिले के कई हिस्सों से गुरुवार देर शाम में हुई आफत की बारिश में कई इलाकों की बिजली तक गुल होने की खबर है। जबकि सड़कों पर जाम की भी समस्या रही।

बिजनेसमैन की हत्या, खाने पर हुआ था दोस्त से झगड़ा, 20 साल बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी

मुंबई, पुलिस ने 20 साल पुरानी एक मर्डर मिस्ट्री सुलझा ली है. साल 2003 में मुंबई के सांताक्रुज पुलिस स्टेशन में एक कपड़ा व्यापारी की हत्या का मामला दर्ज किया गया था. अब 20 वर्षों की लंबी जांच पड़ताल के बाद आखिरकार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. दरअसल, 2003 में आपसी बहस के चलते कपड़ा व्यापारी दीपक राठौड़ की हत्या कर दी गई थी. हत्या का आरोप दीपक के ही साथी रूपेश पर लगा था. वारदात के बाद आरोपी रूपेश फरार हो गया था. फरार आरोपी कई राज्यों में अपनी पहचान बदलकर रह रहा था. इस बीच आरोपी ने अपने नकली नाम के साथ आधार कार्ड भी बनवा लिया था. पकड़ा गया आरोपी रूपेश मूल रूप से बिहार के मुजफ्फरपुर का रहने वाला है. दो दशक पहले वह कपड़ा व्यापारी के साथ दिल्ली से मुंबई व्यापार के सिलसिले में आया था, लेकिन एक दिन खाने के वक्त दोनों में किसी बात को लेकर बहस हो गई. इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर मृतक पर चाकू से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली.

नाला सफाई को लेकर पहले दिन ही आई 33 शिकायत

मनपा के 100 प्रतिशत नाला सफाई पर होने लगी आशंका

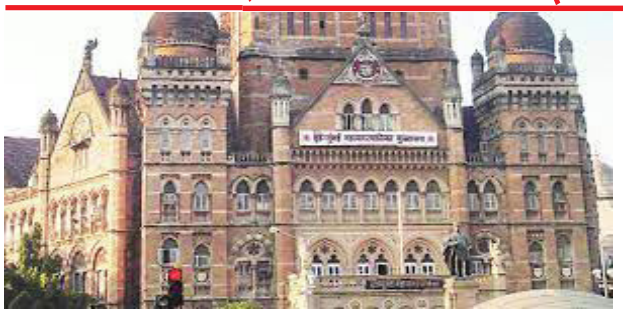

मुंबई : मनपा प्रशासन ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के निर्देश पर नाला सफाई की शिकायत को लेकर हेल्प लाइन नंबर शुरू किया ।मनपा ने चैटबोट 9324500600 नंबर जारी किया ।इस नंबर पर पहले दिन ही 33 शिकायत आई ।मनपा के इस हेल्प लाइन पर आई कुल 33 शिकायतो में 20 शिकायत मनपा के अधिकारियो ने खुद की थी कि हेल्प लाइन नंबर ठीक से कार्यरत है कि नही जबकि 13 मुंबई के लोगो ने अपने इलाको में नाला सफाई नहीं होने की शिकायत की ।मनपा के पास पहले दिन ही आई इतनी बड़ी संख्या में अब यह सवाल खड़ा किया जाने लगा है कि नाला सफाई 100 प्रतिशत पूरी हुई है कि नही।

बता दे कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पिछले दिनो नाला सफाई का दौरा करने के बाद नाला साफ हुआ है। लेकिन लोगो इसके बावजूद नाला सफाई को लेकर शिकायत करने के लिए हेल्प लाइन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था ।मुख्यमंत्री ने 1 जून से 10 जून तक लोगो से अपील की थी की नाला सफाई नहीं होने पर फोटो भेजकर शिकायत करें ।गुरुवार को पहले दिन ही कुल 33 शिकायत आई जिसमे 20 शिकायत मनपा अधिकारी खुद जांच के लिए किए थे लेकिन 13 शिकायत मुंबई के आम नागरिकों की भी आई। मनपा प्रशासन की ओर से कहा गया कि जो शिकायत आई वहा कचरा पड़ा होने की शिकायत आई है ।नाला में कीचड़ नही कचरा पड़ा हुआ था जिसे लोग रोजाना फेक देते है ।मनपा की ओर से कहा गया कि उसे भी तत्काल साफ कर दिया जाएगा ।

बैग में बम होने के दावे से मुंबई एयरपोर्ट मची अफरा-तफरी, महिला गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर बुधवार को एक महिला यात्री ने दावा किया कि वह अपने बैग में बम लेकर जा रही है। इसके बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। मुंबई से कोलकाता जा रही महिला से सामान के लिए अतिरिक्त भुगतान करने को कहा गया था। महिला ने भुगतान करने से इन्कार करते हुए कहा कि वह अपने बैग में बम ले जा रही है, हालांकि जांच में उसके बैग में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। घटना के बाद सहार थाने में महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद महिला को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से बाद में उसे जमानत मिल गई।

ड्रग्स के रैकेट में डी कंपनी शामिल

असगर अली की गिरफ्तारी में कई खुलासे

मुंबई : मुंबई पुलिस ने जिस असगर अली शिराजी को गिरफ्तार किया था, उंसके जांच में कई खुलासे हुए हैं।एक मुख्य खुलासा जो हुआ है उसमें आरोपी ड्रग्स और दूसरे समान बेचकर जो पैसे प्राप्त करता था उस पैसे को टेरर फंडिंग में इस्तेमाल किये जाने का शक पुलिस को है। इसीके जांच के लिए पुलिस ने आरोपी के पुलिस कस्टडी की मांग की। जिसके बाद कोर्ट ने उसे फिर पांच जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस के एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने बड़े ड्रग्स तस्कर असगर अली शिराजी को मुंबई हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया था। उसे कुख्यात ड्रग तस्कर और डी-कंपनी के हैंडलर कैलाश राजपूत का करीबी माना जाता है। मुंबई पुलिस की उस पर काफी पहले से नजर थी। पुलिस अब इस मामले में अलग अलग एंगल तलाश रही है। जांच में जो खुलासा हुआ है उसके मुताबिक आरोपी के ड्रग्स सप्लायर के साथ जो चैट थे उसे डिलीट कर दिया है। जानकरी के मुताबिक कैलाश राजपूत ड्रग्स पैडलर्स के भी साथ उंसके चैट हो सकते हैं जिसे डिलीट किया गया है। इसकी भी जांच अब पुलिस करेगी। आरोपी शिराजी को जब गिरफ्तार किया गया तब जांच शुरू की गई। जिसमें खुलासा होने के बाद अब पुलिस यह जानना चाहती है कि ड्रग्स से इकट्ठा किये गए पैसे का इस्तेमाल टेरर फंडिंग में यो नहीं हुआ है। शक के आधार पर पुलिस कड़ियाँ तलाशने की कोशिश करने में जुटी हुई है। जांच में यह भी पता चला है कि शिराजी यूरोपीय देशों में नशीले पदार्थों की उच्च मांग को पूरा करने के लिए कूरियर सेवाओं के माध्यम से केटामाइन के प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन में शामिल था। पुलिस को शक है जम्मू कश्मीर ड्रग्स सिंडिकेट का बड़ा जगह है। शिराजी पिछले दिनों जम्मू कश्मीर भी जाकर आया है। यहां उसने किससे मुलाकात की थी, इसकी जांच पुलिस कर रही है। पुलिस को शक है कि ड्रग्स से ही जुड़े मामले को लेकर इसने जम्मू कश्मीर का दौरा किया था।

विधायक का ड्राइवर हुआ गिरफ्तार

घर से चुराए थे 30 लाख

मुंबई : एनएम जोशी मार्ग पुलिस ने चोरी के आरोप में विधायक के ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि उसके पास से पैसे बरामद नहीं हुए हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने सारे पैसे अपने दोस्त को दे दिए थे। जिसकी वजह से उसके पास से पैसे बरामद नहीं हुए। गिरफ्तार किए गए आरोपी ड्राइवर का नाम चक्रधर पंडित मोरे है। दरअसल नांदेड़ से विधायक श्यामसुंदर शिंदे के मुंबई स्थित घर से चोरी का मामला सामने आया है। जिसमें आरोप लगाया गया है कि विधायक के घर से उनके ड्रायवर ने 30 लाख रुपये की चोरी की है। यह शिकायत विधायक के पीए ने पुलिस से की है, जिसमें कहा गया है कि ड्राइवर ने 30 लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया है। मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई।

विधायक से मांगी थी फिरौती

पुलिस में दर्ज की गई शिकायत के मुताबिक विधायक लोढ़ा बेलिसिमो सोसायटी में रहते थे। वहीं घर में से यह पैसा चुराया गया है। जिसकी शिकायत पुलिस थाने में कई गई है। आरोप यह भी लगाया गया है कि आरोपी ने विधायक को फोन कर 30 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। उसने विधायक को कहा कि अगर वे पैसा नहीं देंगे तो वह रायगढ़ जाकर पहाड़ियों से छलांग लगा देगा। जिसमें उनकी बदनामी होगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दो आरोपियों ने मिलकर लूटपाट की इस घटना को अंजाम दिया था। जिसमें से नांदेड़ के ही एक गांव से आरोपी ड्राइवर पंडितमोरे को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि दूसरा आरोपी जो इसका रिश्तेदार है वह अभु भी फरार है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। नांदेड़ के विधायक श्यामसुंदर शिंदे के घर से तीस लाख रुपये की चोरी हुई थी। ड्राइवर ने अपने दोस्त के साथ मिलकर चोरी करने के बाद विधायक श्यामसुंदर शिंदे से फिरौती की भी मांग की थी। आरोपी ने विधायक से कहा कि अगर उसे 1 जून तक पैसे नहीं मिले तो वो रायगढ़ जाकर खुद को नुकसान पहुंचाएगा।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक, मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स, ४९६, पंचशील नगर१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं३, तिलक नगर, चेम्बुर, मुंबई४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू), मुंबई४०००८३ से प्रकाशित किया । RNI NO. : MAHHIN/1998/02261
संपादक सिराज चौधरी मो. ७७७७०६०६८७ www.maharashtracrimes.in / www.maharashtracrimes.blogspot.in Email : editor@maharashtracrimes.in / maharashtracrimes@gmail.com

CMYK